





CIL, GAIL enter JV pact to set up coal-to-synthetic natural gas project

PTI

NEW DELHI

State-owned CIL on Monday said it has entered into a joint venture agreement with GAIL (India) Ltd to set up a coal-to-synthetic natural gas project in West Bengal.

While Coal India Ltd (CIL) will have 51 per cent shareholding in the joint venture, GAIL, the nation's largest gas transportation and distribution firm, will have 49 per cent.

The joint venture will be incorporated as a private limited company.

The initial paid-up share capital is Rs 1 lakh, CIL said in a BSE filing.

The registered office of the joint venture will be in West Bengal and CIL and GAIL each will have the right to nominate three executives as directors of the JV.

Earlier this year, the Cabinet Committee on Economic Affairs had approved setting up a coal-to-synthetic natural gas project through a joint venture between CIL and GAIL, and a coal-to-ammonium nitrate project through a venture between CIL and BHEL.

CIL will set up two coal gasification plants as part of efforts to achieve the target of 100 MT coal gasification by 2030.

कोल इंडिया, गेल पश्चिम बंगाल में मिलकर लगाएंगी कोयला गैसीकरण संयंत्र

एजेंसी ■ नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र की कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने पश्चिम बंगाल में कोयले से कृत्रिम प्राकृतिक गैस परियोजना स्थापित करने के लिए गेल इंडिया लिमिटेड के साथ संयुक्त उद्यम लगाने का समझौता किया है। सीआईएल ने सोमवार को शेयर बाजार को इस समझौते की सूचना दी। समझौते के तहत गठित होने वाले संयुक्त उद्यम में कोल इंडिया के पास 51 प्रतिशत हिस्सेदारी रहेगी। बाकी 49 प्रतिशत हिस्सेदारी देश में गैस परिवहन एवं वितरण की सबसे बड़ी कंपनी गेल इंडिया के पास रहेगी।



नियामकीय सूचना के मुताबिक, संयुक्त उद्यम एक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के तौर पर गठित किया जाएगा।

इसकी शुरुआती चुकता शेयर पूंजी एक लाख रुपए है। नए उद्यम का पंजीकृत कार्यालय पश्चिम बंगाल में होगा और दोनों ही सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के पास अपने तीन अधिकारियों को इस उद्यम में निदेशक नामित करने का अधिकार होगा। मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति ने कुछ महीने पहले सीआईएल और गेल की भागीदारी से एक कोयला गैसीकरण उद्यम स्थापित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। कोल इंडिया ने 2030 तक एक करोड़ टन कोयला गैसीकरण का लक्ष्य हासिल करने के लिए इस तरह के दो संयंत्र लगाने की योजना बनाई है।